प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

16.02.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

विधानसभा सत्र

प्रदेश की 14वीं विधानसभा का बजट सत्र आज से शिमला में शुरू हो गया है। सत्र की शुरूआत दोपहर बाद 2 बजे राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के अभिभाषण के साथ हुई। राज्यपाल ने अभिभाषण की कुछ लाइनें पढ़ीं और सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने आप अभिभाषण को पढ़ें और इस पर मनन करें। इसके बाद राज्यपाल ने अपना अभिभाषण समाप्त कर दिया।

पहले चरण में बजट सत्र की 3 बैठकें होंगी और अन्य बैठकों को लेकर बाद में निर्णय लिया जाएगा।

सर्वदलीय बैठक

बजट सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें कांग्रेस और भाजपा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से सदन के सफल संचालन में सहयोग की अपील की।

इस बीच सत्र पर अपनी–अपनी रणनीति बनाने के लिए कांग्रेस और भाजपा विधायक दलों की आज सुबह शिमला में अलग–अलग बैठकें हुई। कांग्रेस विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने की। इस दौरान भाजपा द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों का प्रभावी ढंग से जवाब देने को लेकर चर्चा की गई। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सांसदों को भी आरडीजी के मामले पर केंद्रीय नेताओं से बातचीत करनी चाहिए।

दूसरी ओर भाजपा विधायक दल की बैठक नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हुई, जिसमें अनेक ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को सदन में घेरने को लेकर रणनीति तैयार की गई।

मंडी–शिवरात्रि

मण्डी का अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव आज से शुरू हो रहा है। सात दिवसीय इस महोत्सव का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री अब से कुछ देर बाद करेंगे। इस बार मेले में 2 सौ 16 से अधिक

देवी–देवताओं को आमंत्रित किया गया है, जो सप्ताहभर मंडी में प्रवास करेंगे। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे मंडी जिला संवाददाता।

––डिस्पैच–मुनीष––

पांच सौ वर्षों से देव संस्कृति की धरोहर संभाले मंडी नगर आज से अपने विश्वविख्यात अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव–2026 के विधिवत शुभारंभ के लिए पूरी तरह सज चुका है। सात दिवसीय इस ऐतिहासिक आयोजन का उद्घाटन आज दोपहर 3 बजे पड्डल मैदान में प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री द्वारा किया जाएगा। उपायुक्त एवं मेला समिति अध्यक्ष अपूर्व देवगन ने बताया कि उद्घाटन से पूर्व उप–मुख्यमंत्री श्री राज माधव राय मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे तथा महोत्सव की पहली पारंपरिक जलेब में भाग लेंगे। इस भव्य शोभायात्रा में मंडी जनपद के देवी–देवता, लोक कलाकार और हजारों श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल होंगे। इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण 20 फरवरी को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक परेड रहेगी, जिसमें फ्रांस, अमेरिका, नाइजीरिया, तंजानिया, ताजिकिस्तान और श्रीलंका सहित कई देशों के सांस्कृतिक दल भाग लेंगे।

एम्बुलेंस कर्मचारी

पिछले पांच दिनों से हड़ताल पर बैठे एक सौ 8 व एक सौ 2 एम्बुलेंस कर्मचारी आज शिमला में राज्य सरकार और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील दत्त ने कहा कि राज्य भर से सैंकड़ों कर्मचारी शिमला में एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी न्यूनतम वेतनमान लागू करने और उनके लिए ठोस नीति बनाने की मांग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

भारत सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत देश के 3 सौ 50 सबसे अधिक आपदा–संभावित जिलों में एक लाख से अधिक स्थानीय स्वयंसेवकों को नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवी (आपदा मित्र) के रूप में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। अधिक ब्योरे के साथ हमारे शिमला जिला संवाददाता योगराज शर्मा...

––डिस्पैच–योगराज––

हिमाचल प्रदेश में भी आपदाओं के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया के लिए पांच वर्षों में 1 प्रतिशत आबादी को आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है जिसके लिए सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। प्रशिक्षण शिविरों में स्वयंसेवकों (आपदा मित्रों) को आपदा व बचाव के लिए प्रथम मदद तकनीक से प्रशिक्षित किया जा रहा है।इस पहल का उद्देश्य स्थानीय लोगों को सशक्त बनाकर भूस्खलन, बाढ़, भूकंप और युद्ध जैसी आपदा के समय प्रशासन के पहुँचने से पहले ही स्थानीय स्तर पर राहत और बचाव कार्य शुरू करना है जिससे बचाव कार्यों में तेजी और जान–माल की हानि को कम किया जा सके। शिमला जिला भी आपदा संभावित जिला में चिन्हित है।

एआई शिखर सम्मेलन

सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट–2026 में एक विशेष पवेलियन बनाया है। यह भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमताओं, बढ़ते स्टार्टअप्स और ज़िम्मेदार एआई अपनाने के लिए नीति–आधारित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस पवेलियन में वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर भी है। इसे मीडिया और संवाद मंच के रूप में डिजाइन किया गया है। यहां नीति निर्माता, स्टार्टअप और उद्योग जगत के नेता एआई को भारत की विकासात्मक प्राथमिकताओं, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ जोड़ने पर विचार–विमर्श करेंगे।